चुंबक में महिलाओं को मिला कॉमेडी का बराबर स्पेस : संदीपा

कॉमेडी में महिला किरदारों को लेकर बनी पारंपरिक छवि को तोड़ने की कोशिश वेब सीरीज 'चुंबक' में नजर आती है। अभिनेत्री संदीपा धर का कहना है कि इस शो की सबसे खास बात यह है कि यहां महिलाएं केवल पुरुष किरदारों का साथ देने के लिए मौजूद नहीं हैं, बल्कि कहानी और कॉमेडी दोनों में उनकी बराबर भागीदारी है. संदीपा के मुताबिक, यही अलग अंदाज उन्हें शुरुआत से ही इस सीरीज की ओर आकर्षित करता रहा.

शो का हिस्सा बनने के फैसले पर बात करते हुए संदीपा ने कहा कि उन्हें इसमें महिलाओं का चित्रण स्टीरियोटाइपिकल नहीं लगा. उन्होंने कहा कि आमतौर पर कॉमेडी में पुरुष किरदारों को ज्यादा कॉमिक दृश्य और संवाद दिए जाते हैं, जबकि महिला कलाकारों की भूमिका सपोर्टिंग कैरेक्टर तक सीमित रह जाती है. 'चुंबक' में ऐसा नहीं है. यहां महिला किरदार खुद कहानी का अहम हिस्सा हैं और उनके पास कॉमेडी करने के पर्याप्त मौके हैं. संदीपा ने खास तौर पर हेली शाह के किरदार ट्विंकल का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि ट्विंकल की कॉमेडी शो की प्रमुख खासियतों में से एक है.

44 के हुए रणबीर कपूर

अभिनय की विरासत को अपनी पहचान में बदला

बॉलीवुड अभिनेता रणबीर कपूर सोमवार को 44 वर्ष के हो गए. 28 सितंबर 1982 को मुंबई में जन्मे रणबीर कपूर ने फिल्मी परिवार से आने के बावजूद अपने अभिनय के दम पर हिंदी सिनेमा में अलग पहचान बनाई. ऋषि कपूर और नीतू सिंह के बेटे रणबीर ने वर्ष 2007 में संजय लीला भंसाली की फिल्म 'सांवरिया' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी. फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी, लेकिन रणबीर के अभिनय ने दर्शकों का ध्यान खींचा. उन्हें इस फिल्म के लिए फिल्मफेयर का सर्वश्रेष्ठ नवोदित अभिनेता पुरस्कार मिला.

वर्ष 2009 में आई अयान मुखर्जी की 'वेक अप सिड' रणबीर के करियर की पहली सफल फिल्मों में शामिल रही. फिल्म में उनके संजीदा अभिनय को सराहा गया और उन्हें फिल्मफेयर क्रिटिक्स सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार मिला.

इसके अगले वर्ष प्रकाश झा की राजनीतिक ड्रामा फिल्म 'राजनीति' में उन्होंने गंभीर भूमिका निभाई. वर्ष 2011 में आई इम्तियाज अली की 'रॉकस्टार' ने रणबीर को युवा दर्शकों के बीच खास पहचान दिलाई. फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला. वर्ष 2012 की अनुराग बसु निर्देशित 'बर्फी' में भी रणबीर ने अलग तरह का किरदार निभाकर अपनी अभिनय क्षमता दिखाई. फिल्म ने उन्हें देश के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान दिलाई.

वर्ष 2013 में आई 'ये जवानी है दीवानी' रणबीर के करियर की प्रमुख सफल फिल्मों में शामिल रही. दीपिका पादुकोण के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने पसंद किया. हालांकि इसके बाद 'बेशर्म', 'रॉय' और 'बॉम्बे वेलवेट' जैसी फिल्मों को अपेक्षित सफलता नहीं मिली. वर्ष 2016 में 'ऐ दिल है मुश्किल' ने उन्हें फिर सफलता दिलाई. वर्ष 2018 में रिलीज 'संजू' में रणबीर ने अभिनेता संजय दत्त का किरदार निभाया और उनके अभिनय की खूब चर्चा हुई. इसके बाद 'ब्रह्मास्त्र', 'तू झूठी मैं मक्कार' और 'एनिमल' जैसी फिल्मों में नजर आए. 'एनिमल' में उनके किरदार ने भी व्यापक चर्चा बटोरी. रणबीर की आगामी फिल्मों में 'रामायण' और 'लव एंड वॉर' शामिल हैं.

टेलीविजन हलचल

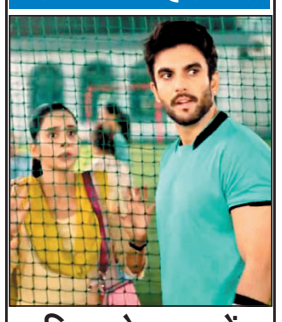

रिधान के दबाव में सौम्या, जीत ने सच के लिए खोला मोर्चा

शो 'ये फितूर तेरा' में आने वाला ट्रैक सौम्या के लिए भावनात्मक रूप से बेहद कठिन मोड़ लेकर आ रहा है. ताऊजी के अपराध का पर्दाफाश कर उन्हें गिरफ्तार करवाने के बाद सौम्या अब उस सच को दुनिया के सामने लाना चाहती है, जिसे उसका परिवार छिपाने की कोशिश कर रहा है. एक तरफ परिवार और रिश्ते को बचाने का दबाव है, तो दूसरी तरफ अपने दर्द से पूरी तरह बाहर निकलने के लिए सच सामने रखने की उसकी इच्छा. इसी बीच रिधान और जीत के अलग-अलग रुख ने सौम्या की दुविधा और बढ़ा दी है. ताऊजी को गिरफ्तार करवाने के बाद सौम्या को लगता है कि उसे न्याय की दिशा में कदम उठाने का साहस मिल गया है. लेकिन परिवार सच्चाई सार्वजनिक नहीं करना चाहता. सौम्या के पिता अनूप को डर है कि इससे उसके रिश्ते पर असर पड़ सकता है. रिधान के परिवार को जब सौम्या के घर पुलिस के पहुंचने की जानकारी मिलती है तो वे सवाल करने लगते हैं. ऐसे में अनूप उनसे ताऊजी के अपराध की असली वजह छिपा लेते हैं. बाद में सौम्या जीत से अपने मन की बात साझा करती है. वह बताती है कि ताऊजी को सजा मिलने के बाद भी उसे पूरी शांति नहीं मिली है. उसके मुताबिक, जब तक सच्चाई सामने नहीं आएगी, तब तक वह खुद को उस अंधेरे से पूरी तरह बाहर नहीं निकाल पाएगी. सौम्या की यह बातचीत रिधान सुन लेता है. वह उसे सच सार्वजनिक करने से रोकता है और परिवार पर पड़ने वाले संभावित असर की बात करता है. रिधान का कहना है कि सच्चाई सामने आने के बाद उसका परिवार सौम्या को स्वीकार करने से भी इनकार कर सकता है.

द वान ने मजबूत की सिद्धार्थ की हार्टलैंड में पकड़

'द वान' ने पहले दिन 9.6 करोड़ की ग्रॉस ओपनिंग दर्ज की और दूसरे दिन यानी शनिवार को बढ़कर 13.5 करोड़ तक पहुंच गई. यह 40 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त है, जिसके साथ भारत में फिल्म का दो दिनों का कुल कलेक्शन 23.1 करोड़ ग्रॉस हो गया है. ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक, फिल्म का वीकेंड कलेक्शन करीब 33 करोड़ तक पहुंच सकता है.

फिल्म के पीछे न तो किसी फ्रेंचाइज़ी का सहारा है, न कोई हॉलिडे वीकेंड और न ही किसी स्थापित फ्रेंचाइज़ी या बड़े ग्रुप की ब्रांड वैल्यू. सितंबर के एक सामान्य शुक्रवार को सिद्धार्थ मल्होत्रा फिल्म को अपने दम पर सिनेमाघरों तक लेकर आए हैं, जहां इसका मुकाबला लौट रही 'एवेंजर्स: एंडगेम' से भी है. ऐसे में पहले दिन के आंकड़े के पीछे छिपा ज्यादा दिलचस्प पहलू यह है कि दर्शक वास्तव में कहां से आ रहे हैं और अब फिल्म की पहुंच किन क्षेत्रों तक बढ़ रही है.

'द वान' की कहानी छठ पूजा की पृष्ठभूमि से जुड़ी है, जो भोजपुरी बेल्ट के सबसे बड़े त्योहारों में से एक है. फिल्म की लोककथा उसी तरह की क्षेत्रीय और पीढ़ियों से चली आ रही मान्यताओं से जुड़ती है, जिन्हें दर्शक आसानी से पहचान सकते हैं.

राघव जुयाल ने नानी के लिए लिखा भावुक नोट

अभिनेता राघव जुयाल ने अपनी फिल्म 'द पैराडाइज' के सह-कलाकार नानी के लिए सोशल मीडिया पर भावुक नोट लिखा है. फिल्म के सिनेमाघरों में रिलीज होने के बीच राघव के इस पोस्ट में दोनों कलाकारों के बीच खास बॉन्डिंग और आपसी सम्मान की झलक मिली. राघव ने नानी को उन चुनिंदा लोगों में बताया, जो बिना कुछ कहे उनके लिए 'सेफ प्लेस' बन गए.

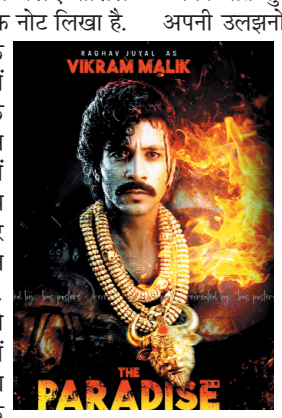

उन्होंने कहा कि करियर और जिंदगी से जुड़ी उलझनों के दौरान नानी हमेशा उनके साथ खड़े रहे और उन्हें बेहतर फैसले लेने में मदद की. राघव ने बताया कि दोनों अक्सर सिनेमा, करियर और जिंदगी को लेकर घंटों बातचीत करते थे. उन्होंने कहा कि नानी ने उनकी बातें सुनीं और उन्हें कभी अपनी उलझनों या भावनाओं के लिए छोटा महसूस नहीं कराया. राघव ने लिखा, 'कुछ लोग आपके करियर को मेंटर करते हैं. कुछ लोग चुपचाप आपका दिल संभाल लेते हैं. आपने मेरे लिए दोनों किया है. मैं आपसे प्यार करता हूं, नानी दादा. उन्होंने नानी की सोच, ईमानदारी और अच्छाई की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने उन्हें यह समझने में मदद की कि वह किस तरह की फिल्मों का हिस्सा बनना चाहते हैं और अपने फैसलों के बीच किस तरह का इंसान बने रहना चाहते हैं.

'फुकरे-3' के तीन साल, फिर याद आया फुकरों का धमाल

हनी, चूचा, लाली और पंडित जी की दोस्ती ने फिर बिखेरा हंसी का रंग

दोस्ती हो, परेशानी हो या फिर कोई बड़ा जुगाड़, हनी और उसके फुकरों की टोली हर बार कुछ ऐसा कर जाती है कि कहानी हंसी के नए किस्से में बदल जाती है. फिल्म 'फुकरे 3' की रिलीज को सोमवार को तीन साल पूरे हो गए. वर्ष 2023 में रिलीज हुई इस फिल्म में पुलकित सम्राट ने हनी के किरदार में वापसी की थी. उनके साथ चूचा, लाली और पंडित जी की वही चर्चित टोली भी नजर आई, जिसने 'फुकरे' फ्रेंचाइजी को अपनी अलग कॉमिक पहचान दी है.

फुकरे 3' में हनी एक बार फिर दोस्तों के बीच दिमाग लगाने वाले किरदार में दिखाई दिए. किसी भी परेशानी का सीधा रास्ता खोजने के बजाय फुकरों की यह टोली अपने खास जुगाड़ से रास्ता निकालने की कोशिश करती है. लेकिन यही कोशिशें कई बार उन्हें ऐसी परिस्थितियों में पहुंचा देती हैं, जहां से निकलना उनके लिए और मुश्किल हो जाता है. चूचा का किरदार फिल्म में हास्य का बड़ा केंद्र रहा. उसके अजीबोगरीब विजन और भोलेपन ने कई दृश्यों को मजेदार बनाया.

ऑटो मोबाइल

एक चार्ज में 1,338 किमी दौड़ी ऑडी ए6 इ-ट्रोन

इलेक्ट्रिक वाहनों की क्षमता को लेकर एक नया रिकॉर्ड सामने आया है. जर्मन वाहन निर्माता ऑडी की ऑडी ए6 स्पोर्टबैक इ-ट्रोन परफॉरमेंस ने एक बार चार्ज करने के बाद 1,338 किलोमीटर की दूरी तय कर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया है. खास बात यह है कि यह उपलब्धि किसी बंद ट्रैक पर सीमित परिस्थितियों में नहीं, बल्कि वास्तविक सड़क, सामान्य ट्रैफिक और बदलते मौसम के बीच हासिल की गई. रिकॉर्ड प्रयास का मकसद कार की अधिकतम रफ्तार दिखाना नहीं, बल्कि एक चार्ज में ज्यादा से ज्यादा दूरी तय करना था.

पोलिश रैली ड्राइवर मीको मार्जिक ने 11 सितंबर को तड़के 1:55 बजे इस सफर की शुरुआत की. यात्रा 45 घंटे से ज्यादा समय तक चली और इस दौरान कार को दोबारा चार्ज नहीं किया गया. रूट विस्तुला नदी के किनारे से होकर क्राको, सैंडोमियरज, वारसॉ, टोरून, ग्रुडजियाड्ज और बाल्टिक तट के हेल तक पहुंचा. इस दौरान कार को सामान्य ट्रैफिक और जाम का भी सामना करना पड़ा. तापमान औसतन 15 डिग्री सेल्सियस रहा और सुबह के समय यह करीब 7 डिग्री तक पहुंच गया. ऑडी ए6 स्पोर्टबैक इ-ट्रोन परफॉरमेंस की प्रमाणित

डब्ल्यूएलटीपी रेंज 777 किलोमीटर है. रिकॉर्ड प्रयास में तय की गई दूरी इससे 561 किलोमीटर ज्यादा रही. इस दौरान कार ने प्रति 100 किलोमीटर केवल 7.09 किलोवॉट-घंटे ऊर्जा की खपत दर्ज की. कार में 100 किलोवॉट-घंटे की बैटरी दी गई है, जिसमें 94.9 किलोवॉट-घंटे उपयोग योग्य क्षमता है. रिकॉर्ड के दौरान ड्राइवर ने स्थिर गति बनाए रखने, अनावश्यक एक्सीलेरेशन और ब्रेकिंग से बचने, सही टायर प्रेशर रखने और रीजेनरेटिव ब्रेकिंग का अधिकतम इस्तेमाल करने जैसी तकनीकों पर ध्यान दिया. कार की 0.21 ड्रैग कोएफिशिएंट वाली एयरोडायनामिक डिजाइन और 800-वोल्ट इलेक्ट्रिक आर्किटेक्चर ने भी दक्षता बढ़ाने में भूमिका निभाई.

पेट्रोल इंजन के साथ बैटरी का दम

आ रही प्लग-इन हाइब्रिड बाइक

पेट्रोल और बिजली से चलने वाले वाहनों के बीच अब बाहरी बिजली से चार्ज होने वाली मिश्रित तकनीक दोपहिया बाजार में भी जगह बनाने की कोशिश कर रही है. चीन की वाहन निर्माता कंपनी वोगे ने सीआईएमए 2026 में सीयू-एक्स मिश्रित तकनीक वाला नमूना मॉडल पेश किया है. कंपनी ने फिलहाल इसे बाजार में उतारने वाली मोटरसाइकिल के बजाय तकनीकी प्रदर्शन के रूप में पेश किया है. हालांकि, इसका पावर-क्रूजर डिजाइन और पेट्रोल इंजन के साथ विद्युत मोटर का संयोजन इसे खास बनाता है.

इस तरह की मिश्रित मोटरसाइकिल में आंतरिक दहन इंजन यानी पेट्रोल इंजन के साथ विद्युत मोटर और कर्षण बैटरी का इस्तेमाल होता है.

इस तकनीक की सबसे बड़ी खासियत पेट्रोल इंजन और विद्युत मोटर की अलग-अलग क्षमताओं का संयोजन है. पेट्रोल इंजन को बेहतर ताकत देने के लिए आमतौर पर अधिक गति की जरूरत होती है, जबकि विद्युत मोटर कम गति पर ही अच्छा खिंचाव दे सकती है.

हाइब्रिड अवतार में लौटेगी डस्टर

17 अक्टूबर को होगी लॉन्च

रेनो डस्टर एक बार फिर भारतीय एसयूवी बाजार में अपनी मौजूदगी मजबूत करने की तैयारी में है. कंपनी अब इसके हाइब्रिड वर्जन को लॉन्च करने जा रही है. रेनो डस्टर हाइब्रिड को 17 अक्टूबर को भारतीय बाजार में लॉन्च किया जाएगा. नई डस्टर का यह वर्जन पेट्रोल मॉडल से अलग हाइब्रिड पावरट्रेन के साथ आएगा, जिसमें पेट्रोल इंजन और इलेक्ट्रिक मोटर्स का संयोजन देखने को मिलेगा. नई डस्टर हाइब्रिड में 1.8-लीटर नेचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दिया गया है. इसके साथ दो इलेक्ट्रिक मोटर और मल्टी-मोड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का इस्तेमाल किया गया है. हाइब्रिड सिस्टम को पावर देने के लिए इसमें 1.4किलोवाट बैटरी पैक मिलता है. कंपनी के मुताबिक इस पावरट्रेन का कुल सिस्टम आउटपुट 160 हॉर्सपावर और 172एनएम है. इससे डस्टर को पेट्रोल इंजन के साथ इलेक्ट्रिक मोटर की सहायता भी मिलेगी.

क्लासिक 350 ने फिर रचा इतिहास

एक महीने में 43,428 बिक्री

भारतीय बाजार में दमदार और भारी-भरकम मोटरसाइकिलों का क्रेज लगातार बढ़ रहा है. 350 से 450 घन सेंटीमीटर क्षमता वाली मोटरसाइकिलों की अगस्त 2026 की बिक्री में रॉयल एनफील्ड क्लासिक 350 ने एक बार फिर अपनी बादशाहत कायम रखी है. महीनेभर में

इसकी 43,428 इकाइयां बिकीं. पिछले साल अगस्त में कंपनी ने क्लासिक 350 की 36,025 इकाइयां बेची थीं. इस तरह सालाना बिक्री में 20.55 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई. बिक्री के मामले में क्लासिक 350 ने इस श्रेणी के बाकी सभी मॉडलों को पीछे छोड़ दिया.

दूसरे स्थान पर भी रॉयल एनफील्ड की बुलेट 350 रही. अगस्त में इसकी 27,533 इकाइयां बिकीं, जो पिछले साल के मुकाबले 13.83 प्रतिशत अधिक हैं. तीसरे स्थान पर हंटर 350 रही, जिसकी 23,869 इकाइयों की बिक्री हुई. इसकी सालाना बिक्री में 2.45 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई. चौथे स्थान पर रही मिटियोर 350 की 10,669 इकाइयां बिकीं और इसकी बिक्री में 19.11 प्रतिशत की वृद्धि हुई.

यंग इंडिया

भाषा की समझ से बनाएं रोजगार का रास्ता

हर साल 30 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय अनुवाद दिवस मनाया जाता है. अनुवाद अलग-अलग भाषाओं और संस्कृतियों के बीच संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है. आज मीडिया, प्रकाशन, शिक्षा, सरकारी संस्थानों, कंपनियों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों में भाषा विशेषज्ञों की जरूरत होती है. भाषा पर अच्छी पकड़ रखने वाले विद्यार्थी अनुवाद और दुभाषिया के क्षेत्र में करिअर बना सकते हैं.

कहां लें एडमिशन

अनुवाद से जुड़े सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और डिग्री स्तर के पाठ्यक्रम कई विश्वविद्यालयों और संस्थानों में उपलब्ध हैं. विद्यार्थी हिंदी, अंग्रेजी या किसी अन्य भारतीय अथवा विदेशी भाषा में स्नातक करने के बाद अनुवाद से जुड़े उच्च अध्ययन का विकल्प चुन सकते हैं. एडमिशन से पहले संस्थान की मान्यता, कोर्स की अवधि और पाठ्यक्रम की जानकारी आधिकारिक वेबसाइट से जरूर जांचें.

जरूरी योग्यता

अनुवाद के क्षेत्र में आने के लिए किसी एक निश्चित शैक्षणिक स्ट्रीम की अनिवार्यता नहीं होती, लेकिन भाषाओं पर मजबूत पकड़ जरूरी है. स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए संबंधित संस्थान की शैक्षणिक पात्रता अलग हो सकती है. हिंदी

और अंग्रेजी के साथ किसी तीसरी भारतीय या विदेशी भाषा का ज्ञान भी उपयोगी हो सकता है.

क्या पढ़ना होगा

अनुवाद की पढ़ाई में भाषा और व्याकरण के साथ अनुवाद के सिद्धांत, शब्दावली, भाषाविज्ञान, साहित्यिक एवं तकनीकी अनुवाद और अनुवाद की व्यावहारिक तकनीकों पर ध्यान दिया जाता है. कुछ पाठ्यक्रमों में कंप्यूटर आधारित अनुवाद उपकरण और भाषा तकनीक से जुड़ी जानकारी भी दी जाती है.

ऐसे करें तैयारी

दोनों भाषाओं में पढ़ने और लिखने की नियमित आदत विकसित करें. रोजाना हिंदी और अंग्रेजी के समाचार-पत्र पढ़ें और छोटी खबरों, लेखों या रिपोर्ट का एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद करने का अभ्यास करें. कानून, विज्ञान, अर्थव्यवस्था, तकनीक और स्वास्थ्य जैसे अलग-अलग क्षेत्रों की शब्दावली समझें. शब्दशः अनुवाद करने के बजाय मूल सामग्री का अर्थ और संदर्भ समझकर उसे दूसरी भाषा में स्वाभाविक तरीके से लिखने का अभ्यास करें.

जॉब्स के मौके

अनुवादक के रूप में प्रकाशन संस्थानों, मीडिया हाउस, सरकारी विभागों, गैर-सरकारी संगठनों, कॉरपोरेट कंपनियों और विभिन्न संस्थानों में काम के अवसर मिल सकते हैं. इसके अलावा फ्रीलांस अनुवादक के रूप में भी काम किया जा सकता है. दुभाषिया यानी इंटरप्रेटर के रूप में बैठकों, कार्यक्रमों और अन्य आधिकारिक संवादों में भाषा संबंधी सेवाएं देने का अवसर मिलता है.

अन्य अवसर

अनुवाद की पढ़ाई के बाद साहित्यिक अनुवाद, तकनीकी अनुवाद, कानूनी अनुवाद, मीडिया अनुवाद, सबटाइटलिंग और लोकलाइजेशन जैसे क्षेत्रों में भी अवसर तलाशे जा सकते हैं. बहुभाषी सामग्री की जरूरत बढ़ने के साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी भाषा विशेषज्ञों के लिए काम के विकल्प मौजूद हैं.

इसरो का एआई-एमएल पर फ्री ऑनलाइन कोर्स

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान (आईआईआरएस), देहरादून की ओर से जल संसाधन क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर निःशुल्क ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है. 'एआई/एमएल फॉर हाइड्रो-इन्फॉर्मेटिक्स' नाम के इस कार्यक्रम के लिए इच्छुक उम्मीदवार 4 अक्टूबर, 2026 तक आवेदन कर सकते हैं.

प्रोग्राम के बारे में जानिए- इस प्रशिक्षण में जल संसाधन क्षेत्र और हाइड्रो-इन्फॉर्मेटिक्स से जुड़े कार्यों में एआई और मशीन लर्निंग के

उपयोग की जानकारी दी जाएगी. प्रशिक्षण 5 से 10 अक्टूबर तक ऑनलाइन माध्यम से आयोजित होगा. कार्यक्रम के तहत लाइव इंटरएक्टिव सत्र होंगे. प्रतिभागी आईआईआरएस के यू-ट्यूब चैनल के जरिए लाइव सत्रों में शामिल हो सकेंगे. साथ ही रिकॉर्डेड वीडियो की सुविधा भी मिलेगी. इसरो एलएमएस पर पाठ्यक्रम, उपस्थिति, क्विज और फीडबैक से जुड़ी जानकारी उपलब्ध होगी. दैनिक क्विज में भाग लेना जरूरी होगा.

प्रक्रिया: इच्छुक उम्मीदवार इसरो की आधिकारिक वेबसाइटisrolms.iirs.gov.in/edusatregistration पर जाकर 4 अक्टूबर तक ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं. व्यक्तिगत पंजीकरण कराने वाले प्रतिभागियों का पंजीकरण स्वतः स्वीकृत माना जाएगा.

मिलेगा प्रमाण-पत्र

निर्धारित न्यूनतम प्रशिक्षण समय पूरा करने वाले प्रतिभागियों को 'कोर्स पार्टिसिपेशन' प्रमाण-पत्र दिया जाएगा. इसे इसरो के ई-क्लास एलएमएस से डाउनलोड किया जा सकेगा.

पीएम- यूएसपी छात्रवृत्ति के लिए 31 अक्टूबर तक करें आवेदन

शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए पीएम- यूएसपी केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना के तहत आवेदन प्रक्रिया जारी है. कॉलेज और विश्वविद्यालय के पात्र मेधावी छात्र इस छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं. आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2026 है. स्नातक स्तर के छात्रों को पहले 3 वर्षों के लिए 12 हजार रुपये प्रति वर्ष की छात्रवृत्ति दी जाती है. स्नातकोत्तर स्तर पर 20 हजार रुपये प्रति वर्ष की सहायता मिलती है. व्यावसायिक और तकनीकी पाठ्यक्रमों के चौथे और पांचवें वर्ष के छात्रों को भी 20 हजार रुपये प्रति वर्ष दिए जाते हैं. इच्छुक विद्यार्थियों को नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन करना होगा.